जीवन की नईया उसके हवाले... जहाँ चाहे ले चल

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

वो जहाँ चाहे, जैसे चाहे ले चले, हमने तो जीवन की नैया उसके हवाले कर दी है। बाबा के सामने हम क्या हैं? हम तो अल्पज्ञ हैं, वो सर्वज्ञ हैं। अल्पज्ञ और सर्वज्ञ में रात-दिन का फर्क है।

मैं हाथ जोड़कर खड़ा रहा शान्त मुद्रा में

इस अलौकिक जीवन में मेरे सामने कई परीक्षायें और परिस्थितियां आयीं। कई लोग मुझे मारने के लिए भी आये, क्या तुम ब्रह्माकुमार हो? मैंने कुछ नहीं कहा, हाथ जोड़कर खड़ा रहा उनके सामने। कुछ नहीं बोला। जब आदमी देखता है कि सामने वाला हाथ जोड़कर खड़ा है, वो क्या कर सकता है? वो कुछ भी समझे ब्रह्माकुमार है या नहीं है। अगर मैं कहूँ कि मैं ब्रह्माकुमार हूँ, तो कहेगा, दिखा, कहाँ है तेरा परमात्मा, हम भी देख लें उसको जैसे प्रहलाद को कहा गया था। इसलिए मैं हाथ जोड़कर खड़ा रहा शान्त मुद्रा में। हम लोगों को ऐसी परिस्थितियों में निर्भय, अभय, अचल और अडोल होकर रहना पड़ता है। मेरे सामने ऐसी परिस्थितियां भी आयी थीं कि जीना या मरना। जैसे ब्लेड के दोनों तरफ धार होती है, वैसे एक तरफ जीवन और दूसरी तरफ मृत्यु। फिर भी बाबा की याद में मैं अचल और निर्भय रहा। होता है, हरेक के जीवन में परिक्षाएं आती हैं लेकिन हमें ईश्वरीय जीवन में, बाबा में, बाबा के कर्त्तव्य में संशय कभी नहीं आना चाहिए। जीवन में डरो नहीं, निडर बन कर रहो, या शरीर नाशवान है, आत्मा अमर है, एक दिन तो यह शरीर छूटना ही है, घबराते क्यों हो? अगर परीक्षायें नहीं आयेंगी तो पक्के कैसे होंगे? ये हमें पकाने के लिए आती हैं।

बस निश्चिंत हो जाओ वो बैठा है

आमतौर पर मैं देखता हूँ कि ऐसी परिस्थितियों में हमारे भाई-बहनें थोड़ा-सा, बहुत थोड़ा-सा हिल जाते हैं। मैं कहता हूँ, हिलना नहीं चाहिए। निश्चय का मतलब यह है कि निश्चय वाला निश्चिंत। निश्चयात्मा विजयन्ती। जो निश्चय वाला होता है, सदा उसकी विजय होती है। यह निश्चय रहना चाहिए। यह मैं सदा अनुभव करता हूँ। मैं कोई परिपूर्ण नहीं हूँ, मैं भी पुरूषार्थी हूँ। ऐसा नहीं है कि जैसे बाबा कहता है वैसा मैं सौ प्रतिशत हूँ। मेरे में भी कमियां हैं। पूरा पुरूषार्थ तो नहीं कर पा रहा हूँ, कोशिश तो कर रहा हूँ, बढ़ता जा रहा हूँ। मुझे बीमार पड़ने से मौका मिला है, कोशिश करता हूँ कि इसका मैं पूरा लाभ लूं। इसलिए यह सोचने की बात नहीं है कि मैं बीमार हूँ। चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। हमें यह सोचना चाहिए कि इस मौके का ज़्यादा से ज़्यादा फायदा उठाऊं। आखिर हम और कितने साल जीयेंगे? जितने भी ज़्यादा साल जिओ लेकिन मनुष्य की इच्छा पूरी नहीं होती।

पुराण में एक कथा आती है, आपने शायद सुनी होगी। एक राजा था, वह बूढ़ा हो गया फिर भी उसकी तृष्णा मिटी नहीं। बेटों को बुलाया और उनसे कहा, बेटे, मैं सारा राज्य तुम लोगों को दे दूंगा, मुझे अपनी जवानी दे दो। सबने कहा कि जवानी देकर बूढ़े हम क्यों बनें तेरी वजह से? तू बूढ़ा हो चुका है तो हम क्यों बूढ़े होंगे? हमें नहीं चाहिए ऐसा राज्य। पिता इतना बूढ़ा होने के बाद भी तृप्त नहीं है। यह विषय वासना, इस संसार की इच्छायें, कामनायें, आकांक्षायें- ये पूर्ण होने वाली नहीं हैं। मैं चाहूँ कि 25 साल और जी लूं तो और कई पुस्तकें लिखूंगा, यज्ञ की और सेवा करूंगा। लेकिन क्या पता यह भी कर पाऊं या नहीं कर पाऊं! इसलिए कल्याणकारी बाप को हाथ दिया हुआ है, वो जैसे चाहे वैसे चलाये। हमें क्या चिन्ता है? वो जहाँ चाहे, जैसे चाहे ले चले, हमने तो जीवन की नैया उसके हवाले कर दी है। बाबा के सामने हम क्या हैं? हम तो अल्पज्ञ हैं, वो सर्वज्ञ हैं। अल्पज्ञ और सर्वज्ञ में रात-दिन का फर्क है। अगर उसके ऊपर नहीं छोड़ेंगे तो कैसे हमारा कल्याण होगा? तू मालिक है, मैं तेरा हूँ, तूझे जो करना है कर ले, सब तेरे हवाले है। बस, निश्चिंत हो जाओ, वो बैठा है।

नई दिल्ली-वसंत विहार। ओडिशा के नवनिर्वाचित माननीय मुख्यमंत्री मोहन चारण माझी से स्नेह मुलाकात कर बधाई देने के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. क्षीरा दीदी एवं ब्र.कु. विकास भाई।

डीग-भरतपुर(राज.)। प्रशासन एवं आयुष मंत्रालय आयुर्वेद विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 'जल महल' में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे जवाहर सिंह बेडम,राज्य मंत्री गृह गोपालन एवं पशुपालन डेयरी एवं मतस्य विभाग, डॉ. शैलेष सिंह,विधायक डीग-कुम्हेर, श्रीमती श्रुति भारद्वाज,जिला कलेक्टर, रवि गोयल,अतिरिक्त जिला कलेक्टर, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. प्रीति बहन, ब्र.कु. अन्नू बहन, ब्र.कु. प्रवीणा बहन व अन्य।

दिल्ली-हरिनगर। राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी,वरिष्ठ उपाध्यक्षा,सुरक्षा सेवा प्रभाग,ब्रह्माकुमारीज़ ने जनरल उपेन्द्र द्विवेदी,पीवीएसएम,एवीएसएम,वर्तमान सेनाध्यक्ष(भारतीय सेना के 30वें प्रमुख) को गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर समूह चित्र में उपस्थित हैं श्रीमती द्विवेदी, ब्र.कु. सारिका बहन, एडमिरल घोरमडे,पूर्व उप-प्रमुख नौसेना, ब्र.कु. पुष्पा बहन एवं शिव कुमार भाई।

हाजीपुर-राजपूत कॉलोनी(बिहार)। 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज' विषय के अंतर्गत स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में आयोजित 'योग भट्ठी' कार्यक्रम में माउण्ट आबू से आये वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सूर्य भाई एवं मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. गीता बहन ने सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विधायक अवधेश सिंह,भारतीय जनता पार्टी, वार्ड पार्षद अरुण कुमार, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. अंजली बहन सहित 500 भाई-बहनें शामिल रहे।

चक्रधरपुर-झारखंड। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ पाठशाला में सीआरपीएफ 60 बटालियन के द्वितीय कमान पदाधिकारी सुनील खत्री के साथ ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात देते हुए संचालिका ब्र.कु. मानिनि बहन।

चरखी दादरी-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में पतंजलि जिला प्रभारी विकास राणा को ईश्वरीय सौगात देते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. प्रेमलता दीदी।

राँची-झारखंड। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए बायें से ब्र.कु. प्रदीप, दीपक जी,मरीन इंजीनियर, अमरजीत सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक हुंडई मोटर्स, राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, संजय गुप्ता,अधिकारी मानव संसाधन विकास विभाग,जिंदल स्टील लिमिटेड एवं राजकुमार जी, सहायक सांख्यिकी अधिकारी।

एसबीएस नगर-नवांशहर दोआबा(पंजाब)। अति. डिप्टी कमिश्नर राजीव वर्मा को ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति मीडिया द्वारा की जा रही ईश्वरीय सेवाओं की जानकारी देने के पश्चात् ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. राम भाई।

रामपुर-मनिहारान(उ.प्र.)। कुलदीप बालियान,चेयरमैन प्रतिनिधि को ईश्वरीय सैगात भेंट करते हुए ब्र.कु. संतोष दीदी।